

# बी.कॉम (वाणिज्य) / B.Com. (Commerce)

## द्वितीय वर्ष

### निगमीय लेखांकन (प्रथम प्रश्नपत्र)

#### खण्ड - 1

- अध्याय - 1 अंशों का निर्गमन, हरण/जब्ती एवं पुनर्निर्गमन
- अध्याय - 2 पूर्वाधिकार अंशों का शोधन तथा पुनक्रम
- अध्याय - 3 ऋणपत्रों का निर्गमन व शोधन

#### खण्ड - 2

- अध्याय - 4 कम्पनियों के अन्तिम खाते
- अध्याय - 5 लाभों का निपटारा
- अध्याय - 6 कम्पनियों का समापन

#### खण्ड - 3

- अध्याय - 7 ख्याति का मूल्यांकन
- अध्याय - 8 अंशों का मूल्यांकन
- अध्याय - 9 बैंकिंग कम्पनियों के अन्तिम खाते

#### खण्ड - 4

- अध्याय - 10 कम्पनियों का एकीकरण
- अध्याय - 11 कम्पनियों का आन्तरिक पुनर्निर्माण
- अध्याय - 12 सूत्रधारी कम्पनी

# लागत लेखांकन ( द्वितीय प्रश्नपत्र )

## खण्ड - I

### अध्याय 1 : लागत लेखांकन: प्रकृति, क्षेत्र, अवधारणाएँ, तकनीकें व लागत लेखांकन की स्थापना

भारत में लागत लेखांकन का उद्गम, परिभाषाएँ, प्रकृति, लागत लेखांकन के उद्देश्य, लागत लेखांकन का महत्व, लागत लेखांकन के गुण/ लाभ, व्यावहारिक समस्याएँ, लागत लेखांकन के विरुद्ध लगाये जाने वाले आक्षेप एवं उनका विश्लेषण, लागत ज्ञात करने की विधियाँ, लागत की तकनीकें, आदर्श लागत लेखांकन प्रणाली की विशेषताएँ, लागत लेखांकन प्रणाली की पूर्व आवश्यकताएँ, लागत लेखांकन विधि स्थापित करने के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया, वित्तीय लेखांकन एवं लागत लेखांकन, वित्तीय लेखांकन एवं लागत लेखांकन समानताएँ, लागत लेखांकन तथा प्रबन्ध लेखांकन, संगठन में लागत लेखांकन की भूमिका एवं उसका स्थान, लागत लेखा विभाग का संगठन, लागत लेखा विभाग का अन्य विभागों से सम्बन्ध, लागत के तत्वों का अर्थ, विभिन्न लागत मान्यतायें, अप्रत्यक्ष लागत का क्रियात्मक वर्गीकरण, लागत विवरण पत्र, व्यावहारिक उदाहरण

### अध्याय 2 : लागत अंकेक्षण

लागत अंकेक्षण का आशय, प्रकृति, उद्देश्य, लागत अंकेक्षण के रूप, लागत लागत अंकेक्षण का क्षेत्र, लागत अंकेक्षण के लाभ, लागत अंकेक्षण के दोष, लागत अंकेक्षण के अधिकार, लागत अंकेक्षण के दायित्व, लागत अंकेक्षण एवं वित्तीय अंकेक्षण में अन्तर

### अध्याय 3 : सामग्री लेखांकन

सामग्री लागत नियंत्रण के उद्देश्य, सामग्री नियंत्रण की प्रक्रिया, व्यावहारिक उदाहरण, सामग्री नियंत्रण की 'अ' 'ब' 'स' विश्लेषण योजना, सामग्री भण्डारण पर नियंत्रण, सामग्री निर्गमन की प्रक्रिया, सामग्री बिल और सामग्री माँग-पत्र, सामग्री खाता नहीं, बिना कार्ड और सामग्री खाता बही में अन्तर, निर्गमित सामग्री का मूल्यांकन, व्यावहारिक उदाहरण, सामग्री क्षय अथवा छीजत की स्थिति में मूल्यांकन, सामग्री का सत्यापन, निरन्तर सूची विधि तथा निस्तर सामग्री सत्यापन से लाभ, सामग्री आवर्त

## खण्ड - II

### अध्याय 4 : श्रम लेखांकन

प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष श्रम लागत, श्रम लागत नियंत्रण के उद्देश्य, श्रम लागत नियंत्रण के विभाग, श्रम निकासी, समय लेखांकन, कार्यों पर लगाए गए समय का लेखा अथवा समय बुकिंग, मजदूरी सूची, वेतन पूर्ची, मजदूरी भुगतान में कपट, मजदूरी भुगतान में कपट की रोकथाम के लिए कदम, मजदूरी सार, अधिसमय मजदूरी, कार्यहीन मजदूरी, मजदूरी का निर्धारण एवं भुगतान, मजदूरी भुगतान की एक आदर्श पद्धति की विशेषताएँ, पारिश्रमिक की एक अच्छी पद्धति के गुण, पारिश्रमिक भुगतान की पद्धतियाँ

### अध्याय 5 : उपरिव्यय लेखांकन

उपरिव्ययों को वितरित करने की प्रक्रिया, उपरिव्ययों का प्राथमिक अनुभाजन, उपरिव्यय अनुभाजन पत्र का निर्माण, सेवा विभाग के उपरिव्ययों का उत्पादन विभागों में अनुभाजन, उपरिव्ययों का अवशोषण, उपरिव्ययों के अवशोषण की विधियाँ, विभागीय एवं समान कामबली दर, क्रियानुसार उपरिव्ययों का लागत व्यवहार, कारखाना उपरिव्ययों का लागत विवेचन, प्रशासनिक अथवा कार्यालय उपरिव्ययों का लागत विवेचन, विक्रय एवं वितरण उपरिव्ययों का लागत विवेचन, विशेष प्रकार के उपरिव्ययों का लागत विवेचन, उपरिव्ययों का अत्यावशोषण व न्यूनावशोषण

### खण्ड - III

#### अध्याय 6 : इकाई लागत लेखांकन

इकाई लागत विधि का अर्थ, इकाई लागत विधि की विशेषताएँ, इकाई लागत विधि के उद्देश्य, लागत संग्रहण, इकाई लागत ज्ञात करने की विधियाँ, लागत पत्र, लागत विवरण, निविदा मूल्य या विक्रय मूल्य का निर्धारण, उत्पादन

#### अध्याय 7 : उपकार्य, समूह एवं ठेका लागत

उपकार्य लागत लेखांकन का अर्थ, उपकार्य लागत निर्धारण रीति के उद्देश्य, उपकार्य लागत निर्धारण रीति की विशेषताएँ, उपकार्य लागत निर्धारण रीति के लाभ एवं सीमाएँ, उपकार्य लागत निर्धारण की कार्यविधि, समूह लागत निर्धारण नीति, ठेका लागत निर्धारण रीति, लागत योग ठेका, ठेके पर लाभ-हानि का निर्धारण, ठेके खाते से सम्बन्धित कुछ विशेष परिस्थितियाँ

#### अध्याय 8 : परिचालन लागत लेखांकन

अर्थ, परिभाषा, परिचालन लागत इकाई, परिवहन लागत लेखांकन, वाहन उपयोगिता अनुपात, विद्युतग्रह लागत लेखांकन, होटल लागत लेखांकन, अस्पताल लागत लेखांकन, छविगृह लागत लेखांकन, उदाहरण

#### अध्याय 9 : प्रक्रिया अथवा विधि लागत लेखांकन

अर्थ, परिभाषाएँ, प्रक्रिया लागत निर्धारण रीति की विशेषताएँ, ठेका लागत तथा प्रक्रिया लागत विधि में अंतर, प्रक्रिया लागत निर्धारण विधि की आवश्यकता एवं महत्व, लेखांकन विधि, उदाहरण

### खण्ड - IV

#### अध्याय 10 : एकीकृत एवं गैर-एकीकृत या असमामेलित प्रणाली

एकीकृत लेखांकन का आशय, एकीकृत लेखांकन के सिद्धान्त, एकीकृत लेखांकन से लाभ, असमामेलित प्रणाली का आशय, असमामेलित प्रणाली की विशेषताएँ, लागत खाता बहियों में लागत लेखे तैयार करना, उपरिव्ययों का अत्यावशोषण अथवा न्यूनावशोषण, एकीकृत एवं गैर-एकीकृत लेखांकन में अन्तर, उदाहरण

#### अध्याय 11 : लागत लेखों का वित्तीय लेखों से मिलान

लागत एवं वित्तीय लेखों के परिणामों के मिलान की आवश्यकता, परिणाम में अन्तर के कारण, समाधान विवरण पत्र बनाने की प्रक्रिया, उदाहरण, स्मरणार्थ समाधान विवरण खाता बनाना

## अध्याय 12 : सम - विच्छेद विश्लेषण

समविच्छेद विश्लेषण, इच्छित लाभ अर्जित हेतु विक्रय राशि ज्ञात करना, प्रति इकाई विक्रय मूल्य ज्ञात करना जब समविच्छेद विक्रय इकाइयाँ दी गई हों, उदाहरण

# व्यवसाय प्रबन्ध के सिद्धान्त एवं उद्यमिता ( तृतीय प्रश्नपत्र )

## खण्ड - I

- अध्याय 1 :** प्रबन्ध: अवधारणा, प्रकृति व महत्व  
अवधारणा, प्रबन्ध का आशय, प्रबन्ध की परिभाषा, प्रबन्ध की विशेषताएँ, प्रबन्ध के उद्देश्य, प्रबन्ध का महत्व, प्रशासन बनाम प्रबन्धन, प्रबन्धन: विज्ञान व कला के रूप में
- अध्याय 2 :** प्रबन्ध के क्रियात्मक क्षेत्र  
हैनरी मिन्टजबर्ग के अनुसार प्रबन्धकीय भूमिकाएँ, प्रबन्ध के क्रियात्मक क्षेत्र, संगठन में प्रबन्ध के उत्तरदायित्व, मैनेजमेन्ट के कार्य
- अध्याय 3 :** प्रबन्धकीय विचारधारा का विकास  
प्रतिष्ठित शैली, वैज्ञानिक प्रबन्ध-सिद्धान्त, अफसरशाही प्रबन्धन-सिद्धान्त, प्रशासनिक प्रबन्धन, हैनरी फेयोल (थ्यारी आफ एडमिनिस्ट्रेशन), सोशल सिस्टम एप्रोच, मानव-सम्बन्ध आदोलन, हॉर्थॉर्न प्रयोग, पीटर. एफ. ड्रकर, द मैनेजमेन्ट साइंस स्कूल, मैनेजमेन्ट थ्योरी में हालिया विकास, सिस्टम्स एप्रोच, प्रासंगिकता विचारधारा (Contingency Approach), उत्कृष्ट कम्पनीज एप्रोच/7.5 फ्रेमवर्क
- अध्याय 4 :** नियोजन : अवधारणा, प्रक्रिया एवं प्रकार  
नियोजन की विभिन्न अवधारणाएँ, नियोजन का आशय, परिभाषाएँ, विशेषताएँ, उद्देश्य, नियोजन के सिद्धान्त, प्रकृति, प्रक्रिया, नियोजन के भेद, नियोजन का महत्व, नियोजन का दोष, आदर्श योजना की विशेषताएँ
- अध्याय 5 :** निर्णयन  
निर्णय लेने की प्रक्रिया क्या है?, प्रबन्धकीय निर्णय करने के गुण, प्रबन्धकीय निर्णयों के प्रकार, निर्णय लेने के घटक, निर्णय लेना एक टेढ़ी-मेढ़ी प्रक्रिया है, निर्णय लेने की प्रक्रिया, निर्णयों के प्रकार, निर्णय लेने की तकनीक
- अध्याय 6 :** उद्देश्यों द्वारा प्रबन्धन  
'उद्देश्यों द्वारा प्रबन्ध' का अर्थ, परिभाषाएँ, विशेषताएँ, उद्देश्यों द्वारा प्रबन्ध की प्रक्रिया, उद्देश्यों द्वारा प्रबन्ध उपागम की पद्धति, उद्देश्यों द्वारा प्रबन्ध के लाभ, उद्देश्यों द्वारा प्रबन्ध की सीमाएँ, उद्देश्यों द्वारा प्रबन्ध को प्रभावी बनाने के उपाय
- अध्याय 7 :** समामेलित नियोजन  
समामेलित नियोजन का आशय, परिभाषाएँ, समामेलित नियोजन की विशेषताएँ, समामेलित नियोजन के प्रकार, लाभ, दोष
- अध्याय 8 :** वातावरण विश्लेषण एवं निदान  
इतिहास एवं विकास, अर्थ एवं परिभाषा, महत्व, क्षेत्र एवं प्रकृति, प्रकार, अन्य विषयों से सम्बन्ध (व्यावसायिक वातावरण को सुदृढ़ बनाने के सुझाव), विशेषताएँ, कार्य, उदाहरण

**अध्याय 9 : रणनीति निरूपण**

रणनीति निर्माण का आशय, रणनीति निर्माण के उपागम, वैकल्पिक रणनीतियाँ, सार्वजनिक रणनीतियाँ, बाह्य वृद्धि रणनीतियाँ, विलयन तथा अधिग्रहण व्यूहरचना की सफलता हेतु सुझाव, संयुक्त साहस व्यूहरचना

**खण्ड - II**

**अध्याय 10 : संगठन**

विकास, संगठन की परिभाषाएँ, संगठन का अर्थ एवं प्रकृति, सिस्टमों के सिस्टम के रूप में संगठन, संगठन के चरण, संगठन के सिद्धान्त, संगठन का महत्व, औपचारिक संगठन, अनौपचारिक संगठन, औपचारिक तथा अनौपचारिक संगठन के भेद

**अध्याय 11 : अधिकार एवं उत्तरदायित्व**

अधिकार - आशय एवं परिभाषाएँ, अधिकार की विशेषताएँ, प्रकार, प्रबन्धन अधिकार के स्रोत अथवा सिद्धान्त, अधिकार प्रयोग की सीमाएँ, उत्तरदायित्व, विशेषताएँ, अधिकार व उत्तरदायित्व में भेद, प्रकार, उत्तरदायित्व का प्रत्योजन, अधिकार व उत्तरदायित्व में सम्बन्ध

**अध्याय 12 : केन्द्रीकरण एवं विकेन्द्रीकरण**

अधिकार का विकेन्द्रीकरण, विकेन्द्रीकरण के लक्षण, विकेन्द्रीकरण की ओर ले जाने वाले फ़ैक्टर, विकेन्द्रीकरण की सीमाएँ, डीसेन्ट्रलाइजेशन के लाभ, डीसेन्ट्रलाइजेशन से हानियाँ, स्वामित्व का केन्द्रीकरण, केन्द्रीकरण की विशेषताएँ, केन्द्रीकरण का महत्व व उसकी विशेषतायें, सेन्ट्रलाइजेशन के दोष, केन्द्रीकरण बनाम विकेन्द्रीकरण, सेन्ट्रलाइजेशन बनाम डीसेन्ट्रलाइजेशन, परिवर्तन-प्रबन्ध क्यो, क्या और कैसे, परिवर्तन का अर्थ एवं प्रकृति, चेन्ज मैनेजमेण्ट की परिभाषा, परिवर्तन को मैनेज करने का काम

**अध्याय 13 : विभागीयकरण**

आशय, विभागों को बनाते समय ध्यान देने योग्य बातें, महत्व, विभागीय के आधार

**अध्याय 14 : संगठन संरचना**

संगठन संरचना का अर्थ?, संगठन संरचना की परिभाषा, संरचना का महत्व, संगठन-संरचना तथा संस्कृति की भूमिका, संगठनात्मक संरचना के रूप, संगठन चार्ट, ऑर्गनाइजेशन चार्ट में सूचना, ऑर्गनाइजेशन स्ट्रक्चर का प्रस्तुतीकरण, ऑर्गनाइजेशन चार्ट के लाभ, ऑर्गनाइजेशन चार्ट की सीमाएँ, संरचना का निर्धारण, स्पैन ऑफ कन्ट्रोल, नियंत्रण का विस्तार को प्रभावित करने वाले कारक, संगठन-संरचना पर स्पैन ऑफ कन्ट्रोल का प्रभाव

**खण्ड - III**

**अध्याय 15 : अभिप्रेरणा**

परिभाषाएँ, अभिप्रेरणा की आवश्यकता एवं महत्व, अभिप्रेरणा तकनीक, अभिप्रेरक घटक, एक प्रोत्साहन के रूप में पैसा, अच्छे अभिप्रेरणा तंत्र की आवश्यकताएँ, अभिप्रेरणा सिद्धान्त

**अध्याय 16 : नेतृत्व**

नेतृत्व की परिभाषा और अर्थ, नेतृत्व बनाम प्रबन्धन, नेतृत्व तथा प्रबन्धन में अन्तर, नेतृत्व का महत्व, नेतृत्व की विशेषताएँ, नेतृत्व शैली, नेतृत्व के प्रति दृष्टिकोण, व्यावहारिकी सिद्धान्त, प्रबन्धकीय ग्रीड, अनिश्चय सिद्धान्त, हर्सी और बैंकार्ड का परिस्थिति संरचना मॉडल, पाथ गोल सिद्धान्त, परिवर्तनीय नेतृत्व

**अध्याय 17 : संचार**

संचार का आशय, संचार की परिभाषाएँ, संचार के तत्व, व्यावसायिक संचार के उद्देश्य, संचार का क्षेत्र, व्यावसायिक संचार के महत्व में वृद्धि के कारण, प्रबन्धकों के लिए संचार का महत्व, संचार प्रक्रिया का आशय, संचार प्रक्रिया के संघटक, प्रतिपुष्टि के तरीके, प्रतिपुष्टि का महत्व, प्रभावी प्रतिपुष्टि कौशल को विकसित करने हेतु सुझाव, आन्तरिक संचार, बाह्य संचार, संचार की दिशा, समतल अथवा क्षैतिज संचार, आरेखी या कर्णीय सम्प्रेषण, अन्तरव्यक्ति संचार, लिखित संचार, अमौखिक संचार, औपचारिक संचार, अनौपचारिक संचार, अंगूरीलता सम्प्रेषण, विभिन्न प्रकारों की बाधाएँ, संचार की बाधाएँ, बाधाओं को दूर करने हेतु सुझाव

## खण्ड - IV

### अध्याय 18 : प्रबन्धकीय नियंत्रण

नियन्त्रण की परिभाषा, महत्व, अच्छे नियंत्रण की विशेषताएँ, उद्देश्य, नियोजन एवं नियंत्रण में सम्बन्ध, नियंत्रण प्रक्रिया, तकनीकें

### अध्याय 19 : परिवर्तन प्रबन्ध

परिवर्तन प्रबन्ध : आशय एवं परिभाषा, परिवर्तन का स्वभाव, प्रकार, परिवर्तन के प्रभाव, परिवर्तन के प्रतिरोध, प्रतिरोध के कारण, परिवर्तन के प्रतिरोध को हटाना

### अध्याय 20 : प्रबन्ध के उभरते आयाम

नये आयामों/चुनौतियों के उभरने के कारण

# व्यावसायिक सांख्यिकी

## ( चतुर्थ प्रश्नपत्र )

### खण्ड - I

**अध्याय 1 : सांख्यिकी का परिचय**

सांख्यिकीय: आशय व परिभाषा, सांख्यिकीय का क्षेत्र, सांख्यिकी पर अविश्वसनीयता, सांख्यिकी के कार्य, सांख्यिकी की महत्ता, सांख्यिकी तथा अन्य विज्ञान, वर्णनात्मक तथा आनुमानिक सांख्यिकी

**अध्याय 2 : समकों के प्रकार**

प्राथमिक, द्वितीयक या गौण समंक, स्रोत

**अध्याय 3 : योग संक्रिया ( योग संचालन ) तथा इसके नियम**

योग संक्रिया अथवा योग संचालन : आशय, योग संक्रिया अथवा योग संचालन सम्बन्धी नियम

**अध्याय 4 : एकचरीय समकों का विश्लेषण तथा आवृत्ति बंटन**

गुण समंक, चर समंक, आवृत्ति बंटन का आशय, आवृत्ति बंटन के घटक, आवृत्ति बंटन के भेद, विच्छिन्न या खण्डित श्रेणी, मिलान चिन्ह, अविच्छिन्न या सतत् श्रेणी, वर्गीन्तरानुसार वर्गीकरण में विचारणीय बातें, संचयी आवृत्ति वितरण, संचयी वक्र, सापेक्षिक आवृत्ति वितरण, द्विचर आवृत्ति विवरण, आवृत्ति बंटन का बिन्दुरेखीय प्रदर्शन, विविध समस्याएँ

**अध्याय 5 : केन्द्रीय प्रवृत्ति की मापें**

अच्छे माध्य के लक्षण, प्रकार, बहुलक, मध्यका, समान्तर माध्य, भारित माध्य, गुणोत्तर माध्य, हरात्मक माध्य, अन्य माध्य, केन्द्रीय प्रवृत्ति की मापों का महत्व, माध्य का चुनाव, विविध समस्याएँ

### खण्ड - II

**अध्याय 6 : अपक्रिण**

अपक्रिण की माप करना, विचरण गुणांक, विचरण का मापांक, चार्लियर का शुद्धता परीक्षण, शोपर्ड संशोधन

**अध्याय 7 : विभाजन मूल्य**

माध्यिका पर आधारित विभाजन मूल्य, सूत्र, विविध उदाहरण, विभाजन मूल्यों की विशेषताएँ एवं महत्व

**अध्याय 8 : विषमता**

विषमता के माप, कार्ल पियर्सन का विषमता का गुणांक, बाउले का विषमता का गुणांक, कैली का विषमता का गुणांक, विविध समस्याएँ

**अध्याय 9 : परिघात तथा पृथुशीर्षत्व**

आशय, कम महत्वपूर्ण परिघातों को केन्द्रीय परिघातों में तबदील करना, शून्य की घातें, परिघातों का महत्व, शैपरेड की विधि, पृथुशीर्षत्व, विविध समस्याएँ



**अध्याय 10 : रेखीय प्रतीपगमन**

आशय एवं परिभाषाएँ, महत्व, प्रतीपगमन तथा सह सम्बन्ध, प्रकार, प्रतीपगमन रेखाएँ, प्रतीपगमन रेखाओं की उप योगिता, केवल एक प्रतीपगमन रेखा कब होती है?, प्रतीपगमन समीकरण, प्रतीपगमन गुणांक, न्यूनतम वर्ग विधि, अनुमान का प्रभाव, विविध व्यावहारिक समस्याएँ

**अध्याय 11 : सहसम्बन्ध**

अध्ययन के उद्देश्य, परिचय, परिभाषा, प्रकार, सरल सह-सम्बन्ध, बहुगुणी सह-सम्बन्ध, आंशिक सह-सम्बन्ध, सह-सम्बन्ध का परिमाण, सह-सम्बन्ध की विधियाँ, सम्भाव्य विभ्रम, सह-सम्बन्ध गुणांक का निर्वाचन, अल्पकालिक परिवर्तनों का सह-सम्बन्ध, चक्रीय उच्चावचन का गुणांक, संगामी विचलन का गुणांक, विविध व्यावहारिक समस्याएँ

**खण्ड - III**

**अध्याय 12 : सूचकांक**

विशेषतायें, निर्देशांकों में समस्यायें, सूचकांको के उपयोग, लाभ, सीमायें, श्रृंखलाबद्ध आधार पर मूल्यानुपात ज्ञात करना, श्रृंखला मूल्यानुपात, प्रकार, निर्वाह व्यय निर्देशांक, भौतिक मात्राओं के निर्देशांक, निर्देशांक तैयार करना, थोक भावों तैयार करना, भार की आवश्यकता, भार की समस्या, भार युक्त निर्देशांक बनाना, मूल्यानुपात विधि, यौगिक विधि, फिशर का आदर्श सूत्र, उत्क्राम्यता परीक्षा, समय उत्क्राम्यता परीक्षा, त्व उत्क्राम्यता परीक्षा, आधार वर्ष में बदलाव, निर्देशांकों का संयोजन, निर्देशांको का समावेश, विविध व्यावहारिक समस्यायें

**अध्याय 13 : काल श्रेणी का विश्लेषण**

आशय, महत्व, काल-श्रेणी के संघटक, काल श्रेणी का विघटन, दीर्घकालीन प्रवृत्ति का मापन, विधियाँ, अल्पकालीन उच्चावचनों की माप, मौसमी परिवर्तन का मापन, विविध व्यावहारिक समस्यायें

**खण्ड - IV**

**अध्याय 14 : पूर्वानुमान की विधियाँ**

व्यावसायिक पूर्वानुमान का आशय एवं परिभाषायें, उद्देश्य एवं महत्व, व्यावसायिक पूर्वानुमान की हानियाँ, व्यावसायिक पूर्वानुमान तथा बजट में अन्तर, व्यावसायिक पूर्वानुमान में चरण, व्यावसायिक पूर्वानुमान के गुण, व्यावसायिक पूर्वानुमान की तकनीके या विधियाँ, व्यावसायिक पूर्वानुमान की तकनीक का चयन करना

**अध्याय 15 : प्रायिकता**

प्रायिकता आशय एवं परिभाषा, गणितीय परिभाषा, सांख्यिकी परिभाषा, क्रमचय और संचय, प्रायिकता की गणना, घटनाएं, घटनाओं का प्रकार, प्रायिकता प्रमेय, संयोगनुपात, सशर्त प्रायिकता, बेस प्रमेय, बर्नोली की प्रमेय, प्रतिलोम प्रायिकता अथवा बेयज प्रमेय, गणितीय प्रत्याशा, व्यावहारिक समस्याएँ, प्रायिकता बंटन के प्रकार, द्विपदीय बारम्बारता विवरण, द्विपदीय वितरण में प्रायिकता की गणना, द्विपदीय वितरण का माध्य, प्रसारण व प्रभाव विचलन, पॉयसन वितरण, प्रसामान्य प्रायिकता वितरण, विविध व्यावहारिक समस्याएँ

# प्रमंडल ( कम्पनी ) विधि

## ( षष्ठम् प्रश्नपत्र )

### अनुक्रमणिका

#### खण्ड - I

##### अध्याय 1 : कम्पनी का परिचय

अध्याय के उद्देश्य, ऐतिहासिक परिचय, कम्पनी का आशय, निगमन के आवरण को उठाना, कम्पनी के लाभ, कम्पनी की हानियाँ, कम्पनी व साझेदारी में अन्तर, कम्पनी तथा सहकारी समिति में अन्तर, निगमित निकाय, संघों का अनिवार्य पंजीयन

##### अध्याय 2 : कम्पनियों के प्रकार

निजी कम्पनी, एक व्यक्ति वाली कम्पनी, लोक या निजी कम्पनी में परिवर्तन, निजी कम्पनी का एक व व्यक्ति कम्पनी में बदलाव, सार्वजनिक कम्पनी तथा निजी कम्पनी में अन्तर

##### अध्याय 3 : कम्पनियों का प्रवर्तन एवं समामेलन

प्रवर्तन, प्रवर्तक का आशय एवं परिभाषाएँ, गुण एवं योग्यताएँ, कार्य, प्रवर्तकों का परिश्रमिक, प्रवर्तकों की कानूनी दशा, प्रवर्तकों के दायित्व, निगमन प्रक्रिया, पूँजी अभिदान, व्यवसाय का प्रारम्भ, निगमन से पहले के संविदे, अस्थायी अनुबन्ध, अर्हता अंश

#### खण्ड - II

##### अध्याय 4 : पार्षद सीमानियम

पार्षद सीमानियम का आशय, पार्षद सीमानियम का महत्व, विषय-वस्तु, पार्षद सीमानियम में बदलाव करना, शक्ति बाह्य नियम

##### अध्याय 5 : पार्षद अन्तर्नियम

पार्षद अन्तर्नियम : आशय एवं परिभाषाएँ, पार्षद अन्तर्नियमों की विशेषताएँ, प्रारूप एवं औपचारिकताएँ, पार्षद अन्तर्नियमावली में बदलाव, प्रभाव, पार्षद सीमानियम तथा पार्षद अन्तर्नियम में अन्तर, पार्षद सीमानियम तथा पार्षद अन्तर्नियमों में सम्बन्ध, रचनात्मक सूचना का नियम, आन्तरिक प्रबन्ध का सिद्धान्त

##### अध्याय 6 : प्रविवरण

प्रविवरण अथवा विवरणिका का क्या है?, जनता को निमन्त्रण, विषय-वस्तु, प्रविवरण का पंजीयन, संक्षिप्त प्रविवरण, माना हुआ प्रविवरण, अंशों के विक्रय हेतु प्रस्ताव, शैल्फ प्रविवरण, छलावा प्रविवरण, स्वर्णिम नियम, मिथ्याकथन, असत्य प्रविवरण

#### खण्ड - III

**अध्याय 7 : अंश तथा अंशपूँजी : हस्तान्तरण एवं हस्तांकन**

अंश का आशय एवं परिभाषा, स्कन्ध, अंश तथा स्कन्ध में अन्तर, स्कन्ध के बारे में कम्पनी अधिनियम 2013 में दिए गए प्रावधान, अंशपूँजी, अंशपूँजी के प्रकार, अंशपूँजी में परिवर्तन, अंशपूँजी को घटाना, पूँजी क्षरण, अपने अंशों के क्रय या क्रय के लिए ऋण पर रोक, अंशों के प्रकार, निर्गमन मूल्य, अंशों का प्रमाण-पत्र, याचना, अंशों का समपहरण, प्रतिभूतियों/अंशों का अन्तरण, जाली हस्तान्तरण, नामांकन, पारेषण

**अध्याय 8 : सदस्यता**

सदस्य : आशय एवं परिभाषाएँ, सदस्य एवं अंशधारी, सदस्य बनने की अर्हता, सदस्यता की विधियाँ, रजिस्टर

**अध्याय 9 : ऋण लेने की शक्तियाँ, बन्धक व प्रभार तथा ऋणपत्र**

अधिकारों के बाहर ऋण या उधारी, ऋणपत्र, जारी किए जाने सम्बन्धी प्रावधान, रक्षित ऋणपत्रों को जारी करना, ऋणपत्र शोधन संचय खाता, ऋणपत्र न्यासी, न्यास संलेख, अंशपत्र तथा ऋणपत्र में अन्तर, अंशधारी तथा ऋणपत्रधारी में अन्तर, प्रभार व बन्धक

**अध्याय 10 : संचालक अथवा निदेशक**

निदेशक क्या है?, संचालक : आशय एवं परिभाषाएँ, निदेशकों की नियुक्ति, निदेशकों की नियुक्ति, निदेशक की नियुक्ति के लिए निरर्हता [ धारा 164 ], निदेशक पदों की संख्या [ धारा 165 ], कर्तव्य [ धारा 166 ], पद को रिक्त किया जाना, निदेशकों का हटाया जाना [ धारा 169 ], संचालक बोर्ड की शक्तियाँ [ धारा 179 ], प्रबन्ध निदेशक, पूर्णकालिक निदेशक या प्रबंधक की नियुक्ति [ धारा 196 ], मुख्य प्रबन्धकीय कार्मिकों की नियुक्ति [ धारा 203 ]

**खण्ड - IV**

**अध्याय 11 : कम्पनी सभाएँ एवं संकल्प**

सभा का आशय एवं परिभाषाएँ, वैध सभा, कार्यसूची, सभापति, प्रतिपुरुष, कार्यवृत्त, प्रस्ताव, संकल्प का आशय एवं प्रकार, साधारण तथा विशेष संकल्प में अन्तर, वार्षिक साधारण सभा, असामान्य साधारण सभा, वर्ग सभाएँ

**अध्याय 12 : बहुसंख्यकों की शक्तियाँ एवं अल्पसंख्यकों के अधिकार**

बहुसंख्यकों की सर्वोच्चता का नियम, अल्पसंख्यक अंशधारकों की संरक्षा, अल्पसंख्यक अंशधारियों के प्रदत्त उपचार

**अध्याय 13 : अत्याचार एवं कुप्रबन्धा रोकना**

केन्द्रीय सरकार की शक्तियाँ, अन्यायपूर्ण आचरण आदि मामलों में अनुतोष के लिए अधिकरण के आवेदन [ धारा 241 ], अधिकरण की शक्तियाँ [ धारा 242 ], वर्ग कार्रवाई [ धारा 245 ]

**अध्याय 14 : कम्पनी का समापन**

आशय, समापन के ढंग, शासकीय समापक